₹ 5/

तुबारि

www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

Issue 71; 06/02/2018

बिषय सूची

दुष्ट भेयाड़	1
डॉ जगदीश चद्रं बासु	2
कुई बचए कुई पढ़ेए	2
जति पति मदभेद खतम करे	2
पंगेई जवान कोइयां दी अक संदेश	3
प्यारे बारे	3
भगवान जे कता से अबल ही कता	4

अपु लेख, विचार, कथा, कविता तुबारि अन्तर छपाण जे बुहन दुतो पता पुठ

हैं पता:

तुबारि पत्रिका
हरी जरनल स्टोर,
किलाड़,
त: पांगी घाटि,
जिला: चंबा,
हिमाचल प्रदेश।
पिन.
176323

रं
ग
भ
रे
बा

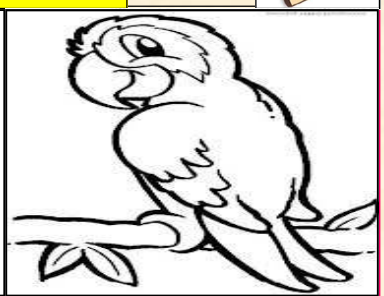

पु	न	उ	मु	स	ल	ग	क	म	ल
नू	क	स	कं	टे	कु	त	र	क	स
म	त्र	क	श	म	व	लं	क	न	र
को	ख	ह	रो	ध	ण	का	ज्ञ	न	स
ल	च	श्र	स	य	उ	हि	त	कु	श
श	व	र	द	ठ	नु	ल	स	ब	ल
उ	प	न	ल	इ	म	ले	र	ठी	गो
छ	प	री	ज	ट	ब	र	स	को	ट
टुं	ह	तु	ट	ब	र	घ	ण	भ	नु
ज	ल	स	द	ग	ठ	छ	ड़ी	ग	अ

दुष्ट भेयाड़

यक ग्रां अन्तर यक बुढा जिम्मदार थिया। तसे यक जुऐली बि थी। पर तसे कोइ बि गेभुरु नेओथ। तेसे यक कुतर थिया। तेस से बड़ा भारी ट्यारा थिया । तस ग्रां अन्तर दुई दुष्ट धाणि त जुऐल बि थिए।

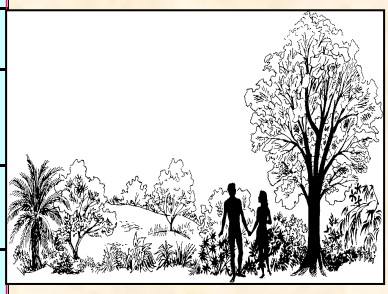

यक रोज से कुतर अपु मालिक जुओई बग गा । त तेठि से कुतर बग खणण लगता। त तेथ बग अन्तरा सुने सिक्के नसण लगते। से मालिक कुछ टेमे बाद खरा शैठ भोई घेन्ता। ऐ बोकी जिखेईं तन्ही दुष्ट धाणि जुऐली पता चल घेन्ती त तन्हि दुहेइ के मन अन्तर आग लग घेन्ति। से तेस कुतर बन्हि कई अपु गी जे घिन ऐन्ते। त से तेस कुतर खरु खरु खलान्ते। पर से कुतर तन्के खरि खरि रोटि न खान्ता। यक रोज से कुतर तेनि यक बुटे पडे घिन घेन्ता। त बग खणण लगता। से दुहे दुष्ट मेहणु सोचू कि ए कुतर असि बि धनि बणई छान्ता। जपल से तस खोपर खनते त खोपर अन्तरा यक मरो बलेउ निसता जैस किंयां बड़ि-भारि मुश्क एन्ति। से दुहे तठिया नश घेन्ते त लहरी कई तस कुतर मार छते। तउं तस कुतर तस बुटे पडे पाथी छते।

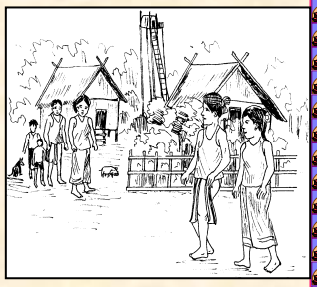

पता से मालिक तस बुटे लोर (ओखली) बणता। त जपल से तस अन्तर चोउ कुटण जे छता त से चाउए रो सुने बण घेन्ते । त से बड़ा-भारि शेठ बण घेन्ता। पता जपल तन्हि एस बोकी पता लगता त से बुढा जिम्मदार किंयां तस लोर खरिद छते । पर जपल से लोर अन्तर चोउए रो छते त से किड़ा बण घेन्ते तोउ से तस लोरी जाई छते ।

इ शुण कइ, से बुढा जिम्मदार तेनि किंयां पटास मगुं जे घेन्ता। त वापिस ऐते टेम, अगर किंयां तेन्के राजा त मन्त्री बगैरा एण लगो भुन्ते। त से बुढा यक बुटे बठ चढ़ता। त जिखेईं राजा अगर जे घेन्ता त से तेन्हि बठ पटास फटान्ता त से फियुण बण घेन्ते । इ हेर कइ, से दुष्ट मेहणु बि बुटे पठ चढ़ते त पटास फटाण लगते। त से पटास उडरि कइ राजे ऐस अन्तर घेई घेन्तु त राजे लहेर एई घेन्ति। राजा बोलुण लगता, “केसे हिम्मत भुई, मोउं पुठ पटास फटाणे”। त तपल राजा हेरता कि दुई दुष्ट मेहणु बुटे पठ चढ़ो असे त तेन्के हतेउ जुए पटास लगो असु। त तसे मन्त्री तेन्हि दुष्टि टान्ते त मडते। त तेन्हि मडी कइ आशंख फाट अन्तर फटाई छते।

लेखक- देव राज राणा, परमस

डॉ जगदीश चंद्र बासु

डॉ जगदीश चद्रं बोसे 30नवंबर सन 1858 अन्तर बंगाल अन्तर जमो थिया। सर जगदीश चद्रं बोस भारते बोभी कियां

मोटे वेज्ञानिक बच गिणीताथ। एन्ही भोतिकी जीव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, त पुरातत्वे सुआ ज्यादा ज्ञान थिया। बोस पहले ई वेज्ञानिक थिया जेन्ही पहले त रेडियो त सूक्ष्म तरंगी बठ कम कीउ, त वनस्पति विज्ञान बठ केतनी खास खोज की। एन्ही अपु स्त्रातक की पढ़ाई ब्रिटिश भारते बंगाल प्रान्त अन्तर सेन्ट जैवियर महाविद्यालय, कलकता केआं डॉक्टर पढ़ाई करण जे बोस लन्दन विशविद्यालय गा। तेठी से बमार भुण लगा। तेस केआं बाद से दुबारी भारत जे एई गा। भारत एण केआं बाद तेन प्रोसीडेंसी महाविद्यालय अन्तर भौतिकी प्रोफेसर बणा। त साते साते से वैज्ञानिकी के कम बी कते रिहा। तेस केआं बाद तेन यक यंत्र बणा, तेस नाउ 'क्रेस्कोग्राफ' थी। तेस केआं बाद किस्मी किस्मी उतेजको के प्रति बुटी के बारे पढ़ूं लाउ। तेस केआं बाद तेस पता लगा कि पशु त बुटी के उतकी अन्तर बोडा भारी फर्क भुंता। से सर डॉ. बोस इं थिया जेन सोबी केआं पेहला बोलु कि बुटी अन्तर बी जान भुंती। डॉ. जगदीश चद्रं बोस रेडियो विज्ञाने त बंगाली विज्ञाने कथा साहित्य बोउ मानींता। ए 23 नवंबर 1937 अन्तर मर गा।

कुई बचए, कुई पढ़ेंए

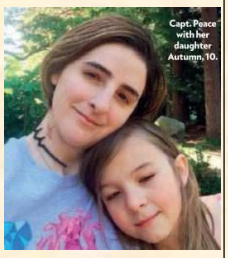

चेड़ी भीत अस कुई पर पाखोण न भुन्ते आसी कुई कै . . . .
पीयोक बी भुन्तु त शोहर बी भुन्तु पर गी न भुन्तु आसी कुई के . . . .
पीयोक बाडे बोते कि कुई त पराई भुंती त शोहर बाडे बोते कि होरी के गी कियां ओ असी . . . .
हे भगवाना! अब तुईए बताण दे कि आस कुई केसे गी जे बड़ओ असी तुसी . . . .

अनीता त रविना कुमारी
पांगी कंप्युटर, डी.सी.ए.

जति पति मतभेद खतम करे

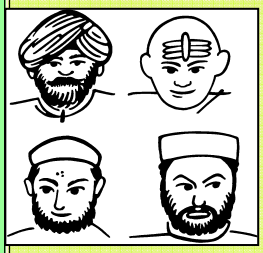

जात त पात, मतभेद मिटाण दिए।
सोब उइ मी कइ यक भोई घिए।
जात पात अन्तर की रखो असु।
सम्हाई बच बडा भाईचारा असा।
हिन्दु, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई
अपफ बच असे भाई भाई।
छड़ दिये धर्म अन्तर झगणि त मडणी।

करे तुस सोब जेई खरी कमाई।
भागवाने सोब यक बड़ाओ असे।
महेणु बंटे से काम सुआ ।
असी समाई मी कइ हंटणु।
देश असी अगर करण असा।

लेखक: देव राज राणा, परमस

पंगेई जवान कोइयां दी अक संदेशः–

‘‘ अक कुई जस तूण चाहते से कदी भी तूण कसे कम ना ईती–कम की इतू जे तूण अकी महीने अंतर कमूते। इसलिए तूण अपू कम जेई प्यार करे। न की कुईयां जेई .....’’

हेण वेही चाड़ी कुछ समस्याएंः–

तूहें सोभिया जड़या पता असता कि वेंही चाड़ी कोठी असती। हेंण पंगेई अंतर पुराणें बुजुर्ग के टेम किया अनी प्रथा चलौरी कि पंगेई अंतर दू चाड़ी असती। अक वुन्ही चाड़ी त अक वेंही चाड़ी। वुन्ही चाड़ी अंतर कियूणी कियां लुज तकर असतू ,त वेही चाड़ी शौर कियां हिल्लू टवान तकर, आज कणी दिनांक अंतर वुन्ही चाड़ी वाड़े वेही चाड़ी वाड़िया कणा थोड़े जादा विकसित असते सेवी तेन्हा थोड़ी पहले सुविधाएं हतयेरी तां। हेण वेही चाड़ी अंतर सोभ सुविधाएं हमेशा देर जेई हेतीती। जैसे कि तूण सिगनल हेरे वेंही चाड़ी अंतर इस टेम वी केई ग्रां अन्तरे सिंगनल नेई। अगर कसेरे घिया अन्तर कोई अगर मरी बी घेता ता बयोरा लाघाणे दी दू वदे वजण ईते। केई वार ता अगर रिश्तेदारे न पूजणे बझाई जेई लाश अन्तरे ईती धाणी। असका अलावा वी केई सारी समस्याएं अस्ती।

स्कूले गवरुआं केई जगई 6–6 किलोमीटर पैदल घेण इतू जैसे कि फिडपारे मिधंले त कुलाले गवरु जाई साच पूजते। चस्क भटौरी, हिल्लू टवाने, तठां शूणे गवरुआं वचरुआं सेचू इतू पूजणू अन्हे केई जगई अन्तर हउ ता रोड़ वी नेई पुजोरी रोज से स्कूल पूजते ता से वचारे थकी घेते। घिया तन्ही पढ़ने दी मोका ना हतीता। इसकीयां अलावा हयूंते महीने माहणूआं वेचारुआं किलाड़ इतू इंणू। किस करी अगर कसे फोटोस्टेट वी कनी आई से वी वचारा किलाड़ इता। हर गड़िया अन्तर 20–20 वन्दे रोज सफर कते। क्योकि महाणू केण मजबूरी अस्ती किलाड़ इण दी। इ बाडा मेसेज लिख करी मेई कसरी खिलाफ कोई शकेत नई कयेरी वल्कि मेई ता वेहीं चाड़ी महाणू केई समस्याए वतौरी। ताकि कसे वी वन्दे जेई कोई भी जाति पाति भेदभाव ना करें। असं सोभ जई पंगेई पहणे भूण। इसलिए सोभ साते मी करी विशे। इ वून्ही चाडी त वेही चाडी तू दिले वहम भा।

लिखणयारः– अमर भारद्वाज, शूण, पांगी

प्यारे बारे

प्यार एचेले मेहणु जे यक खेल बण गो असा। अउं एचेले हेरता ना कि सोब गभुर मोबाईल जोई शेची बुशो भुंते। पुछे त बोते कि आत सुआ मोबाईल बठ केस जोई बीजी भुंते? पता कि बोते “अस त अपु गीहे बाड़ी जोई बीजी भुंते।” अतु किस बोते झुठ? तुस गभुरो जद असी पता कि तुस अपु गीहे बाड़ी जोई अतु कतु बोके कते? किस तुस अपु गी नाभुते ना कि तुस तेन्ही जोई अती बोके कते। एचेले गभुर यक होरी जोई प्यार थोड़ी ना कते, ए त टेम पास कते। प्यारे मामले आंतर एचेले कुई कोई जे एगरोई ओफर देंती त सोचे की हाल असे! से यक होरी जोई रोज के झगड़िए भुंते ।तेस जे प्यार बोते ना? जे यक होरी मने बोक ना समझेल त से कि पटासे प्रेमी भुए ना। से त एक होरी जोई तन तकर सीमीत असे। तने प्रयोग कते। तेस किंया बाद यक होरी जीं जाणते नऊ। तुस ना करे बा, तुं छने किए।

भगवान जे कता से अबल ई कता

बीरबल याक ईमानदार त ध ार्मी मेहणु थिया। से रोज भ्यागे खेड़ी कइ भगवाने पुजा पाठ करणे सिवा होरु किछ कम ना कताथ। तसे बेलि तेस बुद्धी मेती त तागत मेती। से मेहणु जे बोता रहेंताथ कि जे भगवान

कता से हमेशा मेहणु के भलू भुण जे कता। कपले कपले असी सोभी ई लगतु कि भगवान हें कना हेरता ई नाउ। पर ई ना भुंतु। कपले कपले तेस वर मेहणु लेहु हातया मनते। भगवान हेंधे थोड़ी झा तांउ देता कि तुस होरी झा कइयां बचेल।

याक महेणू बीरबाल ऐ सोभ बोके अबल ना लगतीथ। यक रोज से बीरबाल जे बोलण लगा कि तेनी भगवाने मोउ जे कि कियू हि वियादी अउ गोरु जे उगेल कटण लगो थिया ता में केटीयणू केटी गऊ। किछ टेम अडोल बशण कईयां पता बीरबाल तेस जे बोता कि माउ होउ बी लगतू कि भगवान महेणू जोई जे बी कता से अबल कता। तेस महेणू तेसे बोकी ती बुरी लगी। तेन बोलू कि तुसी में झा किस ना बीझीतीं। तोउ तेन तेस जे बोलू कि टेम ऐण बठ तुसी पता लग घेतां कि तुस सचु बोलण लगो थिए। टाई मेहेन बाद से महेणू जेसे एगुल केटी गाओ थियु करथी के शकार गा जेस जंगल से शकार खेलण जे गा तेथ से बिसरी गा ता तठि बण महेणू भुतेत तेन्ही महेणू जेखेई से काआ ता से तेस घिन गे जेखेई तेन्ही तेस महेणू एंगुलू काए ता से बाण महेणू डर गे कि ऐ ता असी कियां बी डरोणां

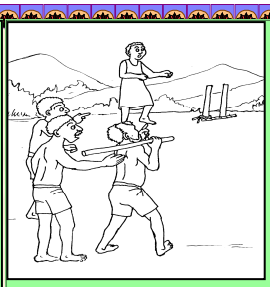

असा एसे ता सउं दी कि सुसर एगुंलु नेई ऐ ता कोई जां काउ भिथ असी आज तकर ई महेणू नोथ काओ। ऐ काऊ खेणेत भो तेन्ही से महेणू तेठी छाण तदा ता अपेपु नेशटोनेई कि जे काउं खेणेत भो। होस भयागे जेखेई से आपु गी पुजा ता तेन बीरबल जे बोलू तु सचु बोतात लिया हि आउं जगल शकार गाओ थिया तेथ माउं कउं मोओ थिए। तेन्ही आउ रात कटण जे नीयां तेन्ही में हाथ हेरे ता तेन्ही अपेपू बच महेजर किया कि ऐ काउ खंणेत भो किस कि ऐ महेणू भुंतात ता ऐसे दश एंगुल भुतेत ऐसे ता यक ऐगुल असुई नंऊ। ता ति काई तेन्ही अउ छण दि छाणा नाता आउ आज तुसी बच नोथ भुण तुसी सचु बोलो थियु कि जे बी भगवान कता से सही जे कता।

नउ विनोद कुमार

तुबारि मासिक पत्रिका

♦अस इ उम्मिद करं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।

♦इस *तुबारि* मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ूं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।

♦*तुबारि* यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦*तुबारि* पत्रिका कोई मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ई सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेहले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेहिल बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के साथोट ना मिएल त *तुबारि* पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।

♦कोई चीज छपां असी या नेई छपां जे *तुबारि* संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाइ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर *तुबारि* ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।

♦अस सोबी पांगी मेहणु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि, तुस बि कोई अच्छा अर्टिक्ल, पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंधे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम
9418431531
9418429574
9418329200
9418411199
9418904168
9459828290